SURYA FOUNDATION

ICAR-CIRC

ICAR-NDRI

LUVAS

सूर्या फाउण्डेशन

डेरी प्रशिक्षण शिविर

15-21 फरवरी, 2024

शिविर स्थल

सूर्या साधना स्थली, झिंझौली, जिला-सोनीपत (हरियाणा)

(दिल्ली-हरियाणा बॉर्डर)

www.suryafoundation.org

संस्था परिचय

सूर्या फाउण्डेशन एक सामाजिक एवं शोध संस्था है, जो पिछले तीन दशकों से देश के सर्वांगीण विकास हेतु समर्पित है। प्रसिद्ध उद्यमी एवं समाजसेवी पद्मश्री जयप्रकाश अग्रवाल जी इसके संस्थापक हैं।

फाउण्डेशन द्वारा व्यक्तित्व विकास हेतु युवाओं को प्रशिक्षण देना, विभिन्न थिंक टैंक द्वारा केन्द्र एवं राज्य सरकारों को देश की ज्वलंत समस्याओं के समाधान देना। स्वास्थ्य स्वाबलंबन हेतु नेचुरोपैथी एवं योग को घर-घर पहुँचाना। गाँव के समग्र विकास हेतु जैविक कृषि, पशुपालन गौ-आधारित कृषि द्वारा किसानों एवं पशुपालकों के हित के लिए बड़े स्तर पर जैविक कृषि सम्मेलन एवं डेरी प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करके किसानों को उन्नत पशुपालन और गौ-आधारित कृषि के लिए प्रेरित करना; जैसे- अनेक कार्यों का संचालन किया जाता है।

पशुपालन और डेरी क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रबंधन एवं शोध हेतु राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान (NDRI), केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान (CIRC), भारतीय पशु चिकित्सा संस्थान (IVRI), लाला लाजपतराय पशु चिकित्सा महाविद्यालय (LUVAS) एवं परंपरागत तरीके से पशुपालन कर रहे डेरी उद्यमियों ने गोवंश एवं डेरी विकास में नये कीर्तिमान स्थापित किये है जिससे सामान्य पशुपालकों एवं डेरी उद्यमियों को एक नई दिशा मिली है।

इन सभी संस्थाओं के साथ मिलकर सूर्या फाउण्डेशन द्वारा डेरी प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

प्रशिक्षण का उद्देश्य एवं लक्ष्य

भारत विश्व के दुग्ध उत्पादन वाले देश में अग्रणी है लेकिन प्रति पशु दूध उत्पादन में हम अभी भी पीछे हैं जिसका प्रमुख कारण है पशुओं का वैज्ञानिक विधि द्वारा पालन नहीं होना है। डेरी प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य, भारतीय नस्ल के गोवंश को बढ़ावा देते हुए पशुपालकों को ऐसे वैज्ञानिक विधि, उन्नत तकनीकी और पशुपालन प्रबंधन से परिचय कराना है, जिसके माध्यम से वे अपने क्षेत्र में सफल डेरी उद्यमी बन सकें एवं नस्ल सुधार कर अपनी आय बढ़ा सकें।

विशेष गतिविधियाँ

- प्रशिक्षण के दौरान ICAR-NDRI, करनाल का भ्रमण एवं प्रेक्टिकल क्लास का कार्यक्रम भी रखा जाएगा।
- शिविर में डेरी विषयों के साथ-साथ गोबर एवं गोमूत्र द्वारा विविध उत्पादों के निर्माण का प्रशिक्षण।
- व्यक्तित्व विकास के लिए योगासन, प्राणायाम, खेल एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
- प्राकृतिक चिकित्सा जैसे-भाप स्नान, मिट्टी स्नान, मिट्टी लेप, कटि स्नान आदि शिविर में दिनचर्या का हिस्सा होंगे।

प्रशिक्षण के विषय

- डेरी व्यवसाय आरंभ करने हेतु उन्नत नस्लों का चुनाव
- भैंस की दुधारू नस्लें एवं नस्ल सुधार
- पशुओं का आहार प्रबंधन व खनिज लवणों का महत्व
- पशुओं का प्रसव पूर्व व प्रसवोत्तर प्रबंधन
- पशुओं का आवास प्रबंधन
- उन्नत बछड़ी एवं बछड़ा पालन
- गोवत्स से गोवत्स तक (Calf to Calving)
- पशुपालन में अलग विभेदीकृत वीर्य के उपयोग की संभावनाएँ
- नस्ल सुधार में भ्रूण प्रत्यारोपण तकनीक एक वरदान
- स्वच्छ दुग्ध उत्पादन
- हरा चारा उत्पादन एवं संरक्षण
- पशुओं के सामान्य रोग व उपचार
- पशुओं की प्रजनन समस्याएँ एवं समाधान
- पशु रोग उपचार की परम्परागत चिकित्सा पद्धति (आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथी)
- डेरी अपशिष्ट प्रबंधन, बॉयोगैस उत्पादन और स्लरी का उपयोग, वर्मीकंपोस्ट यूनिट स्थापना
- कम लागत में पशुपालन कैसे करें
- डेरी फार्मिंग का आर्थिक प्रबंधन
- व्यावसायिक डेरी स्थापना एवं प्रबंधन
- उन्नत पशुपालक एवं डेरी उद्यमियों के अनुभवों का आदान-प्रदान
- गो आधारित उत्पाद से स्वावलंबन (अभ्यास सत्र)
- दूध का मूल्य संवर्द्धन एवं महत्व
- पशुपालन हेतु विभिन्न सरकारी योजनाएँ

प्रशिक्षण के मार्गदर्शक एवं प्रमुख वक्ता

श्री शंकर लाल
मार्गदर्शक,
गौ-सेवा गतिविधि

डॉ. अभिजीत मित्र
आयुक्त,
पशुपालन विभाग, भारत सरकार

डॉ. भूषण त्यागी
संयुक्त आयुक्त
पशुपालन विभाग, भारत सरकार

डॉ. धीर सिंह
निदेशक,
राष्ट्रीय डेरी अनुसंधान संस्थान, करनाल

डॉ. विनोद कुमार वर्मा
उप कुलपति
LUVAS-HISAR

डॉ. ए.के. मोहन्ती
निदेशक,
केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ

डॉ. जे. पी. एस. डबास
प्रधान वैज्ञानिक
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान

डॉ. अजय असवाल
परियोजना अधिकारी
पशु प्रजनन प्रक्षेत्र-कालसी, उत्तराखण्ड

डॉ. ए.के. सिंह
उप-निदेशक
ICAR-NDRI

डॉ. बलराम साहू
निदेशक
पथ्य पाठशाला एवं पशु रोग विशेषज्ञ

डॉ. सज्जन सिंह
प्रधान वैज्ञानिक,
केंद्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार

डॉ. एस. एस. लठवाल
प्रधान वैज्ञानिक,
पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन, NDRI

श्री जीतूभाई
जीतू रिवोल्यूशनरी फार्मर

डॉ. संजीव वर्मा
प्रधान वैज्ञानिक
केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ

डॉ. निशान्त
प्रधान वैज्ञानिक, NDRI

NDRI-करनाल के निदेशक डॉ. धीर सिंह जी के साथ डेरी प्रशिक्षण शिविर की टीम

NDRI-करनाल का भ्रमण करते हुए शिविर के प्रतिभागी

केन्द्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान, मेरठ के वरिष्ठ वैज्ञानिकों द्वारा प्रैक्टिकल क्लास

प्रशिक्षण शिविर के समापन पर मुख्य अतिथि आदरणीय शंकरलाल जी, मार्गदर्शक गो-सेवा गतिविधि

श्री परूषोत्तम रूपाला, *माननीय केन्द्रीय मत्स्य, डेरी एवं पशुपालन मंत्री, भारत सरकार को डेरी प्रशिक्षण शिविर के सफलतम आयोजन के अवसर पर स्मृति चिह्न भेंट करते हुए सूर्या फाउण्डेशन की टीम*

गोपालन प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन अवसर पर उपस्थित *बाएँ से* डॉ. चिरंतन काद्यान, अध्यक्ष-इंडियन वेटनरी एसोसिएशन, डॉ. प्रवीण मलिक, पूर्व आयुक्त, पशुपालन विभाग, भारत सरकार, श्री अजीत महापात्र, अखिल भारतीय गो-सेवा गतिविधि प्रमुख, डॉ. अभिजीत मित्र, आयुक्त पशुपालन विभाग, भारत सरकार, श्री मुकेश त्रिपाठी, वाइस चेयरमैन-सूर्या फाउण्डेशन

प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए सूर्या फाउण्डेशन के सीनियर वाइस चेयरमैन ब्रिगेडियर डी.सी. पंत एवं ICAR-CIRC के वरिष्ठ वैज्ञानिक

डेरी पत्रिका का विमोमन करते हुए NDRI-करनाल के पूर्व निदेशक एवं वर्तमान उप-कुलपति पंतनगर यूनिवर्सिटी, डॉ. एम.एस. चौहान एवं श्री वेद जी, वाइस चेयरमैन सूर्या फाउण्डेशन सहित डॉ. एस.एस. लठवाल, प्रधान वैज्ञानिक NDRI

गो–उत्पाद का प्रायोगिक अभ्यास करते हुए शिविरार्थी

अनुभव की कसौटी पर

आशुतोष कुमार
बेगूसराय, बिहार

"सूर्या फाउण्डेशन जिस तरह से समाज के परिवर्तन के लिए अग्रसर है वह बहुत वंदनीय है। मैंने अपने 21 वर्ष में पहली बार एक नयी दुनिया देखी है। मैंने यहाँ डेरी एवं गौपालन के विषय में जितना भी सीखा है उसे अमल में लाने की कोशिश कर रहा हूँ।

अमित कुमार
पानीपत - हरियाणा

"प्रशिक्षण शिविर में विभिन्न कक्षाओं द्वारा सरल एवं सहज तरीके से गौपालन की जानकारी दी गयी। इस प्रशिक्षण ने मेरे पशुपालन के तरीके को ही बदल दिया। डेरी अपशिष्ट गोबर गौमूत्र के उत्पाद बनाना मेरे लिए नयी जानकारी थी जिसके द्वारा मैंने इन उत्पादों की प्रयोग विधि सीखी। सूर्या फाउण्डेशन का हृदय की गहराइयों से धन्यवाद।

श्यामल कान्ति राय

उत्तर 24 परगना, पश्चिम बंगाल

वर्ष में एक बार झिंझौली आकर मैं अपने आपको रिफ्रेश महसूस करता हूँ। देशभर के साथ और वैज्ञानिक यहाँ आते हैं एवं डेरी पशुपालन की बारीकियों पर अनुभव साझा करते हैं। यहां के प्रशिक्षकों का व्यवहार की अत्यन्त सौम्य एवं व्यवहार कुशल है। समाज में पशुधन की गुणवत्ता एवं दुग्ध उत्पादन बढ़े इस प्रयास में सूर्या फाउण्डेशन के सक्रिय सहभागिता की जितनी प्रशंसा की जाए, कम है।

रोहित टाक

जयपुर-राजस्थान

इस डेरी प्रशिक्षण शिविर में यहां के शुद्ध वातावरण के साथ व्यवस्थित एवं अनुशासन युक्त दिनचर्या जो एक सफल डेरी उद्यमी के लिए अत्यन्त सहायक है। मुझे बहुत अच्छा लगा। NDRI करनाल का भ्रमण, प्राकृतिक चिकित्सा का सुंदर लाभ, सात्विक भोजन, योगासन प्राणायाम जैसे एक गुरुकुल परम्परा का जीवन हमने यहाँ आकर महसूस किया। मैं अपने गोपालन के तरीके में और बढ़ोत्तरी कर उसे एक मुकाम तक लेकर जाऊं, इसके लिए यह ट्रेनिंग बहुत कारगर है।

शिविरार्थियों के लिए सूचनाएँ

- ✓ प्रकृति के सुरम्य वातावरण में दिल्ली–हरियाणा के बॉर्डर पर स्थित सूर्या साधना स्थली, झिंझौली (दिल्ली–हरियाणा बार्डर) में यह शिविर आयोजित होगा।
- ✓ शिविर पूर्णतया आवासीय रहेगा। इस दौरान सामूहिक आवास (चादर, रजाई, गद्दा, मच्छरदानी आदि) एवं भोजन (अल्पाहार, दोपहर एवं रात्रि भोजन व सायं जलपान) की व्यवस्था साधना स्थली में ही रहेगी। शिविरार्थियों को शिविर के दौरान शिविर स्थल से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
- ✓ शिविर शुल्क **₹ 2500** रहेगा। शिविर में भाग लेने हेतु पंजीकरण 10 फरवरी 2024 (शनिवार) तक करना अनिवार्य होगा। पंजीकरण शुल्क **₹ 1000** प्रति व्यक्ति रहेगा जो कि non-refundable रहेगा। शेष शिविर शुल्क **₹ 1500** शिविर स्थल पर देना होगा। पंजीकरण का लिंक नीचे दिया गया है। पंजीकरण के बाद आपको confirmation letter, शिविर स्थल की जानकारी और सूचना–पत्रक भेजी जाएगी।
- ✓ आवेदक आवेदन के साथ आपनी पासपोर्ट साइज फोटो आईडी कार्ड की फोटोकॉपी जरूर संलग्न करें।
- ✓ यह शिविर दिनांक 15 फरवरी (गुरूवार) सायं 04:00 बजे से 21 फरवरी 2024 (बुधवार) दोपहर 02:00 बजे तक रहेगा। सभी शिविरार्थी 21 फरवरी 2024 सायं 06:00 बजे के बाद अपनी वापसी का टिकट बनवा सकते हैं।
- ✓ मौसमानुसार पहनने के कपड़े, तौलिया, चप्पल/जूते, कुर्ता–पायजामा, लेखन सामग्री, दैनिक उपयोगी सामग्री, दवाई (जो उपयोग करते हैं) अवश्य लेकर आएँ।
- ✓ शिविर के समापन पर शिविर का सहभागिता प्रमाण–पत्र भी दिया जाएगा।
- ✓ फाउण्डेशन द्वारा शिविरार्थियों को डायरी, पेन, फोल्डर, आईडी कार्ड एवं पानी की बोतल दी जाएगी।

प्रशिक्षण शिविर तिथि

15–21 फरवरी 2024

शिविर स्थान

सूर्या साधना स्थली, झिंझौली, दिल्ली–हरियाणा बोर्डर

सम्पर्क सूत्र

संजय वशिष्ठ : 8005511255 | रामकुमार : 9899169515

कार्यालय : 011 - 25265227, 25253681

पंजीकरण हेतु *(For Registration)* *Click Here*

डेरी प्रशिक्षण शिविर की वीडियो देखने के लिए क्लिक करें – *Click Here*